Today's Poem – 23.07.2014

तुम्हें साहेबजादे सो शहजादे बनना

इसलिए याद की यात्रा से अपने विकर्मों को भस्म करना

जब हम अपनी नज़र बाप की नज़र से मिलाते

तब सारे दुःख दूर हो जाते

अपने को आत्मा समझकर बाप को याद करना

और सुखधाम का मालिक बन जाना

श्रीमत पर अपना बुद्धियोग एक बाप से लगाना

सतोप्रधान बनने का पुरूषार्थ करना

दु.खधाम को सुखधाम बनाने के लिए पतित से पावन बनने का पुरूषार्थ करना

क्रिमिनल दृष्टि को बदलना, सिविल बनाना

ब्राह्मण बनना माना

विश्व कल्याण की जिम्मेवारी लेना

समय प्रमाण शक्तियों को यूज़ करना माना

ज्ञानी और योगी तू आत्मा बनना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!